मन मोहन दी बन के दीवानी मैं छम छम नचदी फिरा लिरिक्स

मन मोहन दी बन के दीवानी,
मैं छम छम नचदी फिरा,
मैं छम छम नचदी फिरा,
ओहदे प्रेम विच हुई मस्तानी,
मैं छम छम नचदी फिरा,
मैं छम छम नचदी फिरा।bd।

हो गयी मैं प्रीतम दी कमली,
लोकी मैनू आखन पगली,
जदो वेखी मैं सूरत नूरानी,
मैं छम छम नचदी फिरा,
मैं छम छम नचदी फिरा।bd।

जग विच मैनू कोई ना जचदा,
हर वेले करां श्याम दा सजदा,
सारी दुनिया तो हुई बेगानी,
मैं छम छम नचदी फिरा,
मैं छम छम नचदी फिरा।bd।

छड दीती सब रिश्तेदारी,
'चित्र विचित्र' दे बांके बिहारी,
ओहदे नाल मेरी प्रीत पुरानी,
मैं छम छम नचदी फिरा,
मैं छम छम नचदी फिरा।bd।

मन मोहन दी बन के दीवानी,
मैं छम छम नचदी फिरा,
मैं छम छम नचदी फिरा,
ओहदे प्रेम विच हुई मस्तानी,
मैं छम छम नचदी फिरा,
मैं छम छम नचदी फिरा।bd।

स्वर - बाबा श्री चित्र विचित्र जी महाराज।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com